



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

---

शिमला, वीरवार, 12 जनवरी, 2006/22 पौष, 1927

---

हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग शिमला

अधिसूचना

शिमला-171 002, 4 जनवरी, 2006

संख्या एच० पी० ई० आर० सी०/420.—विद्युत अधिनियम, 2003 (2003 का 36) की धारा 181 की उप-धारा (2) के खण्ड (ण) तथा (म) के साथ पठित धारा 41 व 51 के अन्तर्गत प्रदत्त तथा इस निमित्त सशक्त करने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पूर्व प्रकाशन के पश्चात्,

हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है :—

### विनियम

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ.—(1) इन विनियमों का नाम हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग (पारेषण एवं वितरण अनुज्ञप्तिधारियों के अन्य व्यवसायों से आय विषयक व्यवहार) विनियम, 2006 है।

(2) ये विनियम राज्य के भीतर समस्त अन्तःराज्यिक पारेषण तथा वितरण अनुज्ञप्तिधारियों पर लागू होंगे।

(3) ये विनियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश, में इनके प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. परिभाषाएं.—(1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (क) “अधिनियम” से विद्युत अधिनियम, 2003 (2003 का 36) अभिप्रेत है;
- (ख) “उपाबंध” से इन विनियमों के साथ उपाबंध उपाबंध अभिप्रेत है;
- (ग) “परिसम्पत्तियां” से अनुज्ञप्तिधारी के अनुज्ञप्त व्यवसाय के लिए तथा अन्य व्यवसाय के लिए आंशिक अथवा पूर्ण उपयोग, जैसी भी स्थिति हो, के लिए प्रारम्भिक रूप से सृजित विद्यमान परिसम्पत्तियां अभिप्रेत हैं;
- (घ) “सम्बद्ध सुविधाएं” से अन्य व्यवसाय के लिए आंशिक अथवा पूर्ण उपयोग, जैसी भी स्थिति हो, के लिए परिसम्पत्तियों से सम्बद्ध विद्यमान उपांग तथा मानव संसाधन अभिप्रेत हैं;
- (ङ) “आयोग” से हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग अभिप्रेत है;
- (च) “अनुज्ञप्ति” से विद्युत के अन्तःराज्यिक पारेषण या वितरण हेतु अधिनियम की धारा 14 के अन्तर्गत अनुदत्त अनुज्ञप्ति अभिप्रेत है, और इसमें इस प्रयोजनार्थ जारी समझी गई अनुज्ञप्ति भी सम्मिलित है;

- (छ) “अनुज्ञप्त व्यवसाय” से अधिनियम के अन्तर्गत अनुज्ञप्तिधारी या समझे गए अनुज्ञप्तिधारी द्वारा अनुज्ञप्ति के निबंधन में किए जाने वाले कार्य या गतिविधियां अभिप्रेत हैं;
- (ज) “अनुज्ञप्तिधारी” से वह व्यक्ति, जिसे अनुज्ञप्ति अनुदत्त की गई हो या जो अधिनियम के अन्तर्गत समझा गया अनुज्ञप्तिधारी है, अभिप्रेत है;
- (झ) “नोडल अधिकारी” से अनुज्ञप्तिधारी के अन्य व्यवसाय के प्रयोजनार्थ स्थापित प्रकोष्ठ का नेतृत्व करने वाले अधिकारी अभिप्रेत है;
- (ञ) “अन्य व्यवसाय” से अनुज्ञप्त व्यवसाय के अतिरिक्त अनुज्ञप्तिधारी का अन्य व्यवसाय अभिप्रेत है।

(2) अन्य सभी शब्दों और पदों के, जो इन विनियमों में प्रयुक्त हैं; किन्तु परिभाषित नहीं हैं और अधिनियम में परिभाषित हैं, का वही अर्थ होगा, जो उनके लिए अधिनियम में नियत किया गया है।

**3. अन्य व्यवसाय की संसूचना.**—(1) अनुज्ञप्तिधारी जो परिसम्पत्तियों तथा सम्बद्ध सुविधाओं के इष्टतम उपयोग के लिए अन्य व्यवसाय में लगने का प्रस्ताव करता हो या अन्य व्यवसाय को छोड़ने का प्रस्ताव करता हो या छोड़ चुका हो, आयोग को उपाबंध—“क” पर दिए प्ररूप में लिखित संसूचना देगा।

(2) उप-विनियम (1) के अन्तर्गत संसूचना आयोग को प्रत्येक वर्ष अप्रैल तथा अक्टूबर माह में दी जाएगी।

(3) अन्य व्यवसाय हेतु उपयोग, परिसम्पत्तियों एवं सम्बद्ध सुविधाओं का अनुज्ञप्त व्यवसाय व अनुज्ञप्त व्यवसाय के कर्तव्यों की सम्पूर्ति विषयक अनुज्ञप्तिधारी की क्षमता पर प्रभाव की अनुज्ञप्तिधारी संसूचना देगा।

(4) अनुज्ञप्त व्यवसाय की परिसम्पत्तियों एवं सुविधाओं के उपयोग का तरीका तथा यह औचित्य कि उनका उपयोग आदर्श तरीके से, अनुज्ञप्त व्यवसाय की गतिविधियों के संचालन पर बिना प्रभाव डाले किया जायेगा की अनुज्ञप्तिधारी संसूचना देगा।

(5) अनुज्ञप्तिधारी का यह सम्पूर्ण उत्तरदायित्व होगा कि वह सुनिश्चित करे कि अनुज्ञप्त व्यवसाय की परिसम्पत्तियों तथा सम्बद्ध सुविधाओं का उपयोग अन्य व्यवसाय में करते समय किसी भी प्रकार से

अनुज्ञप्त व्यवसाय के अनुज्ञप्तिधारी से अपेक्षित कार्य सम्पादन या आभारों या सेवा की गुणवत्ता को प्रभावित नहीं करेगा तथा ऐसा उपयोग अनुज्ञप्तिधारी की लागत एवं जोखिम पर होगा।

#### 4. लेखा.—(1) अनुज्ञप्तिधारी—

- (क) अन्य व्यवसाय की गतिविधियों के लिए पृथक् लेखाभिलेख जैसे कि किसी राजस्व की राशि, लागत, परिसम्पत्तियों, देयताओं आरक्षित या अन्य प्रावधानों जो अन्य व्यवसाय से या को प्रभारित किये गये हों, ऐसे प्रभार के आधार के विवरण सहित या विभिन्न व्यवसायिक गतिविधियों में अभिभाजन या आबंटन के समुचित विवरण सहित संधारित करेगा;
- (ख) संगत आधारों पर उपाबंध—“ख” पर दिये गए प्ररूप में, प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लेखा पत्रक जिसमें लाभ—हानि पत्रक, वार्षिक तुलन—पत्रक तथा निधियों के स्रोत एवं उपयोग का विवरण सम्मिलित हो तैयार करेगा;
- (ग) तैयार किए गए लेखा पत्रकों के सम्बन्ध में प्रत्येक वित्त वर्ष के लिए अंकंशकों का प्रतिवेदन देगा जिसमें यह उल्लेख होगा कि अंकंशकों की राय में लेखा पत्रक सम्यक् रूप से बनाए गए हैं तथा वे राजस्व, लागत, परिसम्पत्तियों, दायित्वों, आरक्षित निधियों का सही एवं समुचित विवरण देते हैं तथा सम्बन्धित पत्रक व्यवसाय से सुसंगत हैं;
- (घ) आयोग को ऐसी जानकारी प्रस्तुत करेगा जो अनुज्ञप्तिधारी द्वारा अन्य व्यवसाय में लगाई गई अतिरिक्त लागत के पुनरीक्षण के लिए आवश्यक हो;
- (ङ) वित्त वर्ष की समाप्ति के 6 माह की अवधि में वित्त वर्ष से सम्बन्धित लेखा पत्रकों तथा अंकंक्षण प्रतिवेदन की प्रतियां प्रस्तुत करेगा।

(2) अनुज्ञप्तिधारी आयोग को संतुष्ट करेगा कि अन्य व्यवसाय की ऊपरी लागतों तथा अन्य सांझी लागतों के समुचित भाग का सम्यक् रूप में वहन किया गया है।

5. वित्तीय प्रभाव.—(1) अनुज्ञप्तिधारी किसी भी प्रकार से अनुज्ञप्त व्यवसाय की परिसम्पत्तियों एवं सुविधाओं के, या अन्यथा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस प्रकार से, उपयोग की अनुमति नहीं देगा जिससे कि वह अन्य व्यवसाय को पोषित करती हो।

(2) अनुज्ञप्तिधारी किसी भी प्रकार से, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, अनुज्ञप्त व्यवसाय की परिसम्पत्तियों एवं सुविधाओं को अन्य व्यवसाय या अनुज्ञप्त व्यवसाय के अतिरिक्त किसी अन्य गतिविधि से प्रभारित नहीं करेगा।

(3) अनुज्ञप्तिधारी ऐसी अन्य लागतों, जो अन्य व्यवसाय के लिए व्यय की गई हो, का भुगतान करेगा तथा यदि ऐसी लागतें अनुज्ञप्त व्यवसाय तथा अन्य व्यवसाय दोनों के लिए सांझे रूप से व्यय की गई हो तो उक्त लागत अभिभाजन करेगा और अभिभाजित लागत का भुगतान अन्य व्यवसाय से अनुज्ञप्त व्यवसाय को सुनिश्चित करेगा।

(4) उप-विनियम (3) के अन्तर्गत अनुज्ञप्तिधारी लागतों के अभिभाजन के अतिरिक्त, अन्य व्यवसाय के सकल व्यापारावर्त (टर्न ओवर) का एक निश्चित प्रतिशत भाग, जैसे कि आयोग द्वारा प्रत्येक वर्ष, वार्षिक औसत राजस्व मांग की अवधारणा के समय विनिश्चित किया जाए, को अभिलेख में लेगा तथा अनुज्ञप्त व्यवसाय को उसके भुगतान को सुनिश्चित करेगा।

(5) अन्य व्यवसाय से अनुज्ञप्त व्यवसाय को उप-विनियम (4) में यथा विनिर्दिष्ट भुगतान का उपयोग अनुज्ञप्त व्यवसाय के पारेषण या चक्रण प्रभारों को कम करने के लिए किया जाएगा।

(6) अनुज्ञप्तिधारी अन्य व्यवसाय के प्रयोजनार्थ कोई भी नया पूंजी निवेश नहीं करेगा।

**6. आयोग की शक्तियाँ.**—आयोग किसी भी समय अन्य व्यवसाय हेतु अनुज्ञप्त व्यवसाय की परिसम्पत्तियों एवं सुविधाओं के प्रयोग का अन्वेषण आदेशित कर सकेगा तथा अनुज्ञप्तिधारी से अन्य व्यवसाय से सम्बन्धित ऐसी जानकारी मांग सकता है जिस से विनिश्चय किया जा सके कि—

(क) क्या विनियम 5 में यथा—उल्लिखित लागतें एवं व्यय का समुचित रूप में समायोजन एवं भुगतान किया जा रहा है; या

(ख) क्या सकल व्यापारावर्त एवं अनुज्ञप्त व्यवसाय को भुगतान की जाने वाली राशियों के निर्धारण हेतु अन्य व्यवसाय के राजस्व समुचित रूप में लेखे में लिए जा रहे हैं।

(2) आयोग अपने कार्यालय में किसी भी अधिकारी को या किसी व्यवसायी या विशेषज्ञ या परामर्शदाता को उप-विनियम (1) के अन्तर्गत अन्वेषण करने एवं आयोग को रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु अधिकृत कर सकता है।

(3) आयोग, उप-विनियम (2) के अन्तर्गत प्राप्त रिपोर्ट पर विचारोपरान्त तथा अनुज्ञप्तिधारी को सुनवाई का समुचित अवसर दिए जाने के बाद अन्य व्यवसाय की लागतों एवं व्यय के सम्बन्ध में विभाजन तथा अन्य व्यवसाय के अनुपातिक पूर्ण बिक्री, जिसे अनुज्ञप्त व्यवसाय की आय के रूप में अभिलिखित किया जाना हो, ऐसे आदेश दे सकेगा जैसा कि आयोग उचित समझे।

7. आदेश तथा पद्धति निर्देश जारी करना.—विद्युत अधिनियम, 2003 तथा इन विनियमों के प्रावधानों के अन्तर्गत आयोग समय-समय पर इन विनियमों के कार्यान्वयन तथा विभिन्न विषयों में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं तथा उससे आनुषंगिक या सहायक मामलों के सम्बन्ध में जिसके लिए इन विनियमों द्वारा आयोग को निर्देश देने हेतु सशक्त किया गया है, आदेश तथा पद्धति निर्देश जारी कर सकता है।

8. कठिनाइयों को दूर करने की शक्तियां.—यदि इन विनियमों के किसी भी प्रावधान के प्रभावी करने में कोई कठिनाई उद्भूत होती है, तो आयोग, या तो स्व-प्रेरणा से या इसे आवेदन किए जाने पर, सामान्य या विशेष आदेश द्वारा जो अधिनियम के उपबन्धों से असंगत न होते हुये भी कठिनाइयों को दूर करने के प्रयोजनार्थ कोई भी कार्य कर सकेगा जो आयोग को कठिनाइयां दूर करने के प्रयोजन हेतु आवश्यक या समीचीन प्रतीत हो।

9. संशोधन की शक्तियां.—आयोग किसी भी समय इन विनियमों के किसी भी प्रावधान में कुछ परिवर्तन, उपान्तरण, बदल या संशोधित कर सकेगा।

आयोग के आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित /—

सचिव।

उपाबंध- "क"

[विनियम 2 (ख) तथा 3 (1) देखें]

क्रम संख्या	अन्य व्यवसाय का अद्वितीय संकेत शब्द	अन्य व्यवसाय की प्रकृति	अन्य व्यवसाय में लगने/छोड़ने की प्रस्तावित तारीख	अन्य व्यवसाय के लिए उपयोग में लाई जाने वाली परिसम्पत्तियों का विवरण	अन्य व्यवसाय को छोड़ने का तरीका/औचित्य	अन्य व्यवसाय के उपयोग में लाई गई परिसम्पत्तियां जिनका परित्यजन किया जाना है का विवरण	अनुज्ञप्त व्यवसाय पर अन्य व्यवसाय का प्रभाव (हां/नहीं)
1	2	3	4	5	6	7	8

उपाबंध-"ख"

[विनियम 2 (ख) तथा 4 (1) (ख) देखें]

अनुज्ञप्तिधारी के व्यवसाय के बारे में ..... को समाप्त हुई अवधि के लेखों का विवरण पत्र (लाख रुपये में)

क्रम संख्या	अन्य व्यवसाय का अद्वितीय संकेत शब्द	अन्य व्यवसाय की प्रकृति	अन्य व्यवसाय को आरोप्य स्थायी लागत (जो अन्यथा प्रकार से अनुज्ञप्त व्यवसाय में की जा रही थी अर्थात् अनुज्ञप्त व्यवसाय के अनावश्यक भाग का प्रतिशत)	परिवर्तनशील लागत (सामग्री लागत, प्रधान कार्यालय के आनुपातिक व्यय तथा अन्य समस्त व्यय जो अन्यथा प्रकार से अनुज्ञप्त व्यवसाय में नहीं किए जाते हैं अर्थात् अनुज्ञप्त व्यवसाय के अनावश्यक भाग का प्रतिशत)	कुल लागत	अन्य व्यवसाय से कुल प्राप्तियां	अन्य व्यवसाय से शुद्ध आय
1	2	3	लेखा मद राशि	लेखा मद राशि	8	9	10

*AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT***HIMACHAL PRADESH ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION  
SHIMLA****NOTIFICATION**

*Shimla-171 002, the 4th January, 2006*

**No. HPERC/420.**—In exercise of the powers under sections 41 and 51 read with clauses (o) and (v) of sub-section (2) of section 181 of the Electricity Act, 2003 (36 of 2003) and all powers enabling it in that behalf and after previous publication the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission hereby makes the following regulations:—

**REGULATIONS**

**1. Short title, extent and commencement**—(1) These regulations may be called the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission (Treatment of Income of Other Business of Transmission Licensees and Distribution Licensees) Regulations, 2006.

(2) These regulations shall be applicable to all intra-State Transmission Licensees and the Distribution Licensees in the State.

(3) These regulations shall come into force from the date of their publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

**2. Definitions.**—(1) In these Regulations, unless the context otherwise requires,—

- (a) “Act” means the Electricity Act, 2003 (36 of 2003);
- (b) “annexure” means annexure annexed to these regulations;
- (c) “assets” means the existing assets of the licensee, created initially for the Licensed Business and intended for part or full use, as the case may be, for other business.
- (d) “associated facilities” means the existing appurtenances and human resources associated with the assets intended for part or full use, as the case may be, for other business;
- (e) “Commission” means the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission;
- (f) “licence” means a licence granted under section 14 of the Act to undertake intra-State transmission or distribution of electricity and shall include the deemed licence for the purpose;



- (g) , “Licensed Business” shall mean the function and activities, which the Licensee is required to undertake in terms of the licence granted or being a deemed licensee under the Act;
- (h) “licensee” means a person who has been granted a licence or is a deemed licensee under the Act;
- (i) “nodal officer” means an officer of the licensee heading the cell established for the purpose of other business; and
- (j) “Other Business” means any business of the licensee other than the licensed business.

(2) Other words and expressions used and not defined in these regulations but defined in the Act shall have the meanings as assigned to them in the Act.

**3. Intimation of other business.**—(1) The licensee proposing to engage in other business for optimum utilisation of assets and associated facilities or proposing to discontinue or having discontinued Other Business shall give intimation in writing to the Commission on the format in Annexure-‘A’ to these regulations.

(2) The intimation under sub-regulation (1) shall be given to the Commission in the months of April and October every year.

(3) The licensee shall intimate the impact of the use of assets and associated facilities for the other business on the Licensed Business and on the ability of the licensee to carry out the duties and obligations of the licensed business.

(4) The licensee shall intimate the manner in which the assets and facilities of the Licensed Business shall be used and justification that it will be used in an optimum manner without affecting the maintenance of the activities of the Licensed Business.

(5) The licensee shall have the absolute responsibility to ensure that the utilization of the assets and associated facilities of the Licensed Business for the Other Business shall not in any manner affect the performance of the obligations or the quality of service required from the licensee under the licensed business and that any such utilization shall be entirely at the cost and risk of the licensee.

**4. Account.**—(1) The Licensee shall—

- (a) maintain for Other Business activities separate account records, such as amounts of any revenue, cost, asset, liability, reserve or provision which has been charged from or to any Other Business together with a description of the basis of that

charge or determined by apportionment or allocation between the various business activities together with a description;

- (b) prepare on a consistent basis from such records accounting statements, on the format given on Annexure 'B' to these regulations, for each financial year comprising a profit and loss account, a balance sheet and a statement of source and application of funds;
- (c) provide in respect of the account statements prepared, a report by the Auditors in respect of each Financial Year, stating whether in their opinion the statements have been properly prepared and give a true and fair view of the revenue, costs, assets, liabilities, reserves reasonably attributable to the business to which the statements relate;
- (d) submit to the Commission such information that is required to review the additional cost incurred by the licensee for Other Business; and
- (e) submit copies of the accounting statements and Auditor's report not later than six months after the close of the financial year to which they relate.

(2) The licensee shall establish to the satisfaction of the Commission that the Other Business duly bear an appropriate share of overhead costs and other common costs.

**5. Financial Implications.**—(1) The Licensee shall not in any manner utilize the assets and facilities of the Licensed Business or otherwise directly or indirectly allow the activities to be undertaken in a manner that it results in the Licensed Business subsidising the Other Business in any manner.

(2) The Licensee shall not in any manner directly or indirectly encumber the assets and facilities of the Licensed Business for the other Business or for any activities other than the Licensed Business.

(3) The Licensee shall duly pay for all costs accounted for in the Licensed Business which have been incurred for Other Business and in the event of such costs being incurred commonly for both the Licensed Business and Other Business, apportion such costs and ensure due payment of apportioned costs to the Licensed Business from other Business.

(4) In addition to the sharing of costs under sub-regulation (3), the Licensee shall account for and ensure due payment to the Licensed Business a certain percentage of the gross turnover from the Other Business as decided by the Commission each year at the time of determination of the Aggregate Revenue Requirement (ARR).

(5) The payment as specified in sub-regulation (4) received in the Licensed Business, from Other Business shall be utilised for reducing the transmission and/or wheeling charges, as the case may be, of the Licensed Business.

(6) The licensee shall not make any fresh capital investment for the purpose of other business.

**6. Powers of the Commission.**—(1) The Commission may at any time direct investigation of the assets and facilities of the Licensed Business for the Other Business of the licensee and call upon the licensee to furnish any information relating to other business to determine,—

- (a) whether the costs and expenses are being appropriately adjusted and paid as mentioned in regulation 5.
- (b) whether the revenues of the Other Business are properly accounted in calculation of gross turnover and the amounts payable to the Licensed Business.

(2) The Commission may authorize any officer of the Commission or any professional person or expert or consultant to carry out the investigation under sub-regulation (1) and submit a report to the Commission.

(3) The Commission may, after considering the report under sub-regulation (2) and after giving an opportunity of hearing to the Licensee, pass such orders as the Commission considers appropriate in regard to the costs and expenses to be shared by the Other Business and proportion of the turnover of the Other Business to be accounted as the income of the Licensed Business.

**7. Issue of orders and practice directions.**—Subject to the provisions of the Electricity Act, 2003 (36 of 2003) and these regulations, the Commission may, from time to time, issue Orders and Practice Directions in regard to the implementation of these Regulations and procedure to be followed on various matters, which the Commission has been empowered by these Regulations to direct, and matters incidental or ancillary thereto.

**8. Power to remove difficulties.**—In case of any difficulty in giving effect to any of the provisions of these regulations, the Commission may, either *suo motu* or on application made to it, do or undertake to do things, or by general or special order direct the licensee to take suitable action, not being inconsistent with the Act, which appears to the Commission to be necessary or expedient for the purpose of removing the difficulty.

**9. Power to amend.**—The Commission may, at any time add, vary, alter, modify or amend any provisions of these Regulations.

BY THE ORDER OF THE COMMISSION,

Sd/-

Secretary.

**Annexure 'A'**

[(See Regulations 2 (b) and 3 (1))]

TABLE-1

Sl. No.	Unique Code of OB	Nature of OB	Proposed date for engaging/discontinuing of OB	Details of Assets to be used for OB	Manner/Justification for engaging in OB	Manner/Justification for discontinuation of OB	Details of Assets used in OB to be discontinued	Impact of OB on LB (Yes/No)
1	2	3	4	5	6	7	8	9

**Annexure 'B'**

[(See Regulations 2 (b) and 4 (1) (b))]

Accounts Statement in respect of other business of the Licensee for the period ended .....

(Rs. In Lacs).

Sl. No.	Unique Code of Other Business	Nature of Other Business	Fixed costs attributable to the OB (which otherwise were being incurred in licensed business i.e. the % redundant part of LB)		Variable costs (Cost of material, Head Office prorata expenses and all other costs which are otherwise not incurred in LB i.e. the % redundant part of LB)		Total Costs	Total Receipts from OB	Net Income from OB
			A/C Head	Amt.	A/C Head	Amt.			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10